EHVVN4

6 नाव चली भई नाव चली

क्या तुमने कभी कागज की नाव बनाई है? हम भी तुमको एक नाव बनाना सिखाते हैं। हो सकता है कि तुम इसे पहले से जानते हो। फिर भी आओ सब मिलकर नाव बनाते हैं और पानी पर तैराते हैं।

ऐसे बनेगी नाव

नाव बनाने के लिए एक कागज लो। नीचे बताए चित्रों के क्रम के अनुसार कागज को मोड़ो –

1

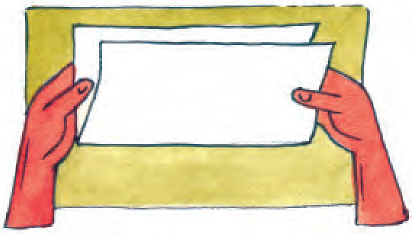

2

3

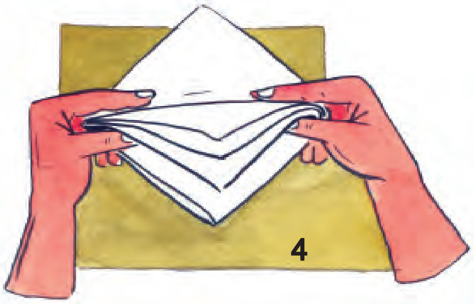

4

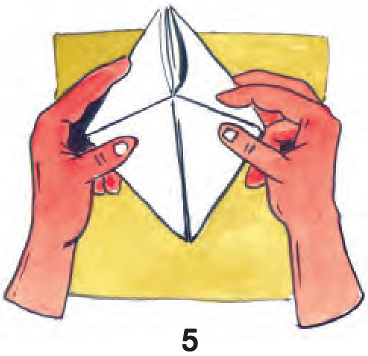

5

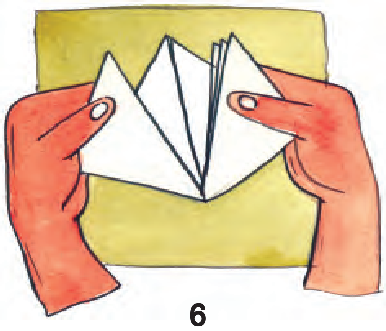

6

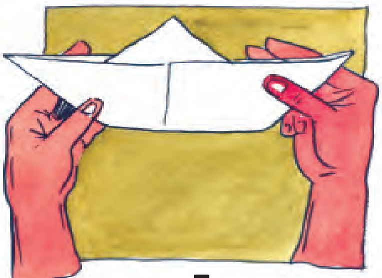

7

लो तुम्हारी नाव तैयार है।
नाव को बहते पानी में तैराओ।

नाव किधर जा रही है? और क्यों?

____

रुके हुए पानी में नाव क्यों नहीं चलती?

____

रुके हुए पानी में नाव चलानी हो तो क्या तरीका हो सकता है?

____

दुलारी ने देखी नाव

एक बार दुलारी अपने परिवार के साथ जगदलपुर गई। दुलारी के मामा जगदलपुर में रहते हैं। मामा के साथ दुलारी नदी के किनारे भी घूमने गई। दुलारी को पता चला कि इस नदी का नाम इंद्रावती है। दुलारी ने देखा कि नदी में कई लोग नहा रहे हैं; उसमें नाव भी चल रही है और नदी के एक किनारे से दूसरे किनारे लोग आ–जा रहे हैं।

दुलारी ने कागज़ की नाव तो बनाई थी। पर सचमुच की नाव पहली बार ही देखी थी। दुलारी ने अपने मामा से पूछा कि ये लोग नाव में बैठकर कहाँ से आ रहे हैं? मामा ने उँगली से इशारा करते हुए बताया कि ये लोग नदी के दूसरे किनारे पर बसे गाँव डोंगाघाट से आ रहे हैं। दुलारी ने भी नाव में बैठने की इच्छा ज़ाहिर की।

मामा ने दुलारी को नाव में सैर करवाई। दुलारी बड़े ही ध्यान से देख रही थी कि नाव आखिर चलती कैसे है।

क्या पहले भी नाव होती थी ? कैसी होती होगी ?

आओ, इन सवालों के जवाबों को ढूँढने की कोशिश करते हैं।

पहले की नाव

चलो, नीचे दिए गए चित्रों को देखें और पता करें कि पहले लोग किस प्रकार नदी–नालों

चित्र 1

को पार करते थे ?

चित्र 1 में दो लोग नाला पार कर रहे हैं। नाले को पार करने का यह एक तरीका था। क्या अब भी नाला इस तरीके से पार किया जाता है? पता करो।

____

____

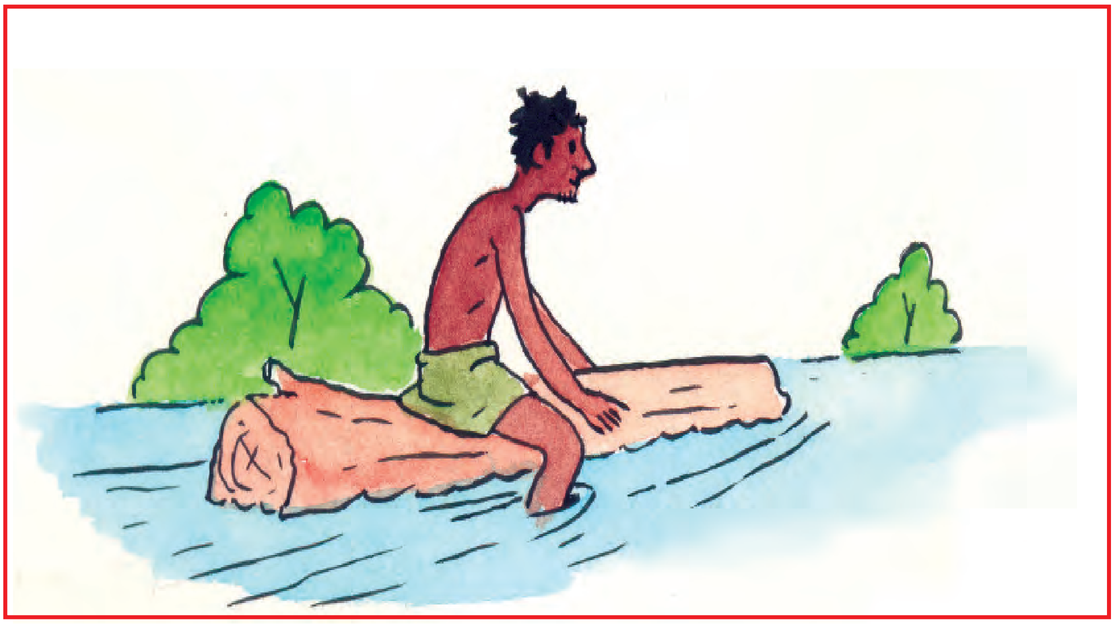

चित्र 2

चित्र 2 को देखो। इस चित्र में आदमी नदी में कैसे जा रहा है? लिखो।

____

____

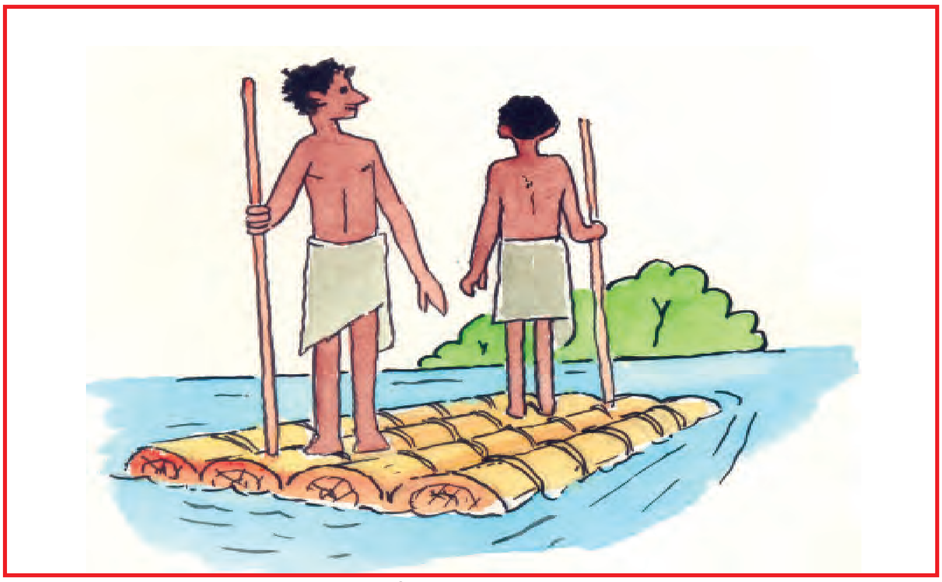

चित्र 3

शुरू में लोगों ने नदी में यात्रा करने का यही उपाय किया (चित्र 2)। धीरे–धीरे वे उसमें सुधार करते गए–(चित्र–3)।

कुछ समय बाद लोग नदी में किस ढंग से यात्रा करते थे ? चित्र 3 को देखो और बताओ।

————————————————————————————————————

————————————————————————————————————

चित्र 3 और 4 में लोगों के हाथ में डंडा किसलिए है? इस डंडे से वे क्या कर रहे हैं ?

————————————————————————————————————

चित्र 4

————————————————————————————————————

इस चित्र को ध्यान से देखो। लोगों ने नई–नई बातें सोचते हुए एवं कोशिश करते हुए एक सुंदर नाव बनाई।

यह नाव कैसे बनाई गई है ?

————————————————————————————————————

————————————————————————————————————

————————————————————————————————————

क्या तुम सोच सकते हो कि गहरी नदी में इनमें से कौन–से तरीके से यात्रा की जा सकती है?

————————————————————————————————————

————————————————————————————————————

सोचो और बताओ

अब बताओ कि तब से अब तक नावों में और क्या–क्या सुधार व बदलाव हुए हैं।

____

____

आजकल किस–किस प्रकार की नावें और पानी के जहाज चलते हैं?

____

____

हमने क्या सीखा?

मौखिक

1. नदी पार करने के लिए किन–किन साधनों का उपयोग किया जाता है?
2. नाव चलाने वाले को हम किस नाम से पुकारते हैं?

लिखित

1. पुराने समय में नाव किससे बनाई जाती थी?
2. पुराने समय की नाव और आजकल की नाव में क्या अंतर है? लिखो।
3. यदि नाव और पानी के जहाज नहीं होते तो क्या कठिनाई होती?

EI5RPR

खोजो आस–पास

1. विभिन्न प्रकार की नावों/जहाजों के चित्रों को एकत्र करो।
2. आस–पास कहीं नाव चलती हो तो देखो और उसका चित्र बनाओ।
3. किसी बाल्टी में कटोरी को तैराकर उसमें कुछ कंकड़ रखो। कंकड़ तब तक रखते जाओ जब तक कि वह डूब न जाए। कितने कंकड़ रखने पर कटोरी डूब गई?